कर्नाटक सरकार

हिंदी वल्लरी

तृतीय भाषा हिंदी

Hindi Third Language

आठवीं कक्षा

Eighth Standard

2016

Karnataka Text Book Society (R.)
100 Ft. Ring Road, BSK 3rd Stage,
Bengaluru - 560 085.

PREFACE

The Textbook Society, Karnataka has been engaged in producing new textbooks according to the new syllabi prepared which in turn are designed based on NCF – 2005 since June 2010. Textbooks are prepared in 11 languages, seven of them serve as the media of instruction. From standard 1 to 4 there is the EVS and 5^{th} to 10^{th} there are three core subjects namely mathematics, science and social science.

NCF – 2005 has a number special features and they are:

- Connecting knowledge to life activities
- Learning to shift from rote methods
- Enriching the curriculum beyond textbooks
- Learning experiences for the construction of knowledge
- Making examinations flexible and integrating them with classroom experiences
- Caring concerns within the democratic policy of the country
- Make education relevant to the present and future needs.
- Softening the subject boundaries integrated knowledge and the joy of learning.
- The child is the constructor of knowledge

The new books are produced based on three fundamental approaches namely.

Constructive approach, Spiral Approach and Integrated approach

The learner is encouraged to think, engage in activities, master skills and competencies. The materials presented in these books are integrated with values. The new books are not examination oriented in their nature. On the other hand they help the learner in the total development of his/her personality, thus help him/her become a healthy member of a healthy society and a productive citizen of this great country India.

Language textbooks are designed to help learners master communicative competencies, excellent comprehension, meaningful expression and efficient reference skills.

English is studied by most students as the second language. Teachers have to keep in mind the three fundamental approaches based on which the readers have been designed and adapt their teaching methods and help learners master language skills and competencies and help them become excellent users of English.

Schools in Karnataka offer seven languages a media of instruction and eight as first languages and ten languages are offered as third language. The objective is to help the learners to use these languages efficiently at the communicative level. It is hoped that at least a cross section of learners achieve competencies to use these languages at the creative level.

Teachers are expected to adapt their teaching methods not to make these textbooks just feed materials for examinations, but help learners master language competencies such as communication, comprehension, expression in writing and necessary reference skills.

There is going to be a source book for teachers in Kannada 1st language, English 2nd language and Hindi 3rd language. Please make use of these source books and make teaching very effective.

The Textbook Society expresses grateful thanks to the chairpersons, writers scrutinisers, artists, staff of DIETs and CTEs and the members of the Editorial Board in helping the Text Book Society in producing these textbooks.

Prof. G .S Mudambadithaya
Co-ordinator
Karnataka Textbook Society®
Bengaluru, Karnataka

Nagendra Kumar
Managing Director
Karnataka Textbook Society®
Bengaluru, Karnataka

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार यह पाठ्य पुस्तक 'हिंदी वल्लरी' तैयार की गयी है। पाठों का चयन करते समय भाषा की सरलता तथा बच्चों के सर्वतोमुखी विकास को ध्यान में रखा गया है। अतः चरित्र-निर्माण, आदर्श व्यक्तित्व, देशप्रेम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामान्य ज्ञान, भारतीय संस्कृति, धर्म निरपेक्षता, वचन परिपालन, समर्पण भाव, सच्चाई व निष्ठा का महत्व, आत्मविश्वास, नैतिकता आदि विषयों से संबंधित पाठ इस पुस्तक में संकलित हैं।

'हिंदी वल्लरी' को तैयार करने में अनेक विशेषज्ञों ने अपना अमूल्य सहयोग दिया है और पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति के सभी सदस्यों ने नये पाठ्यक्रम के अनुरूप इस संकलन को हर दृष्टि से आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक बनाने का हर संभव प्रयास किया है। उन सबके प्रति आभार प्रकट करते हुए आशा करती हूँ कि यह पुस्तक सम्यक् अध्ययन-अध्यापन के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

अध्यक्षा

पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति

पाठ्य पुस्तक रचना समिति

अध्यक्षा :

डॉ. एम. विमला, प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, बेंगलूरु विश्वविद्यालय, बेंगलूरु.

सदस्य :

श्री. एस. विजी, हिन्दी अध्यापक, सरकारी हाईस्कूल, रेल्वे कार्यशाला कॉलोनी, मैसुरु.

डॉ. एन. श्रीरंगा, हिन्दी अध्यापक, सरकारी हाईस्कूल, श्रीराम नगर. (हासन ता.)

श्री. रविशंकर जी.वी., हिन्दी अध्यापक, मरिमल्लप्पा हाईस्कूल, मैसुरु .

डॉ. सीता कडकोल, हिन्दी अध्यापिका, श्री बसवेश्वर सरकारी हाईस्कूल, चिक्कलिंगदहल्लि . (हावेरी ता.)

श्री. मुरलीधर आचार एन., कलाकार, सरकारी प.पू. कॉलेज, मणिनाल्कूर, बंट्वाल ता.

श्रीमती एम्. निर्मलाम्बा, अध्यापिका, सरकारी हाईस्कूल, कग्गलीपुरा, बेंगलूरु (दक्षिण)

परिशीलक :

डॉ. बी. एस. सुब्बलक्ष्मी, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, वी.वी.एस. फस्ट ग्रेड कॉलेज, बसवेश्वर नगर, बेंगलूरु.

अध्यक्ष, संपादक मंडल :

डॉ. टी. जी. प्रभाशंकर 'प्रेमी', पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, बेंगलूरु विश्वविद्यालय, बेंगलूरु.

प्रधान संयोजक :

श्री जि. एस्. मुडंबडित्ताय, संयोजक, पाठ्य पुस्तक रचना समिति, कर्नाटक पाठ्य पुस्तक संघ, बेंगलूरु.

सहायता एवं मार्गदर्शन :

श्री. नागेंद्रकुमार, प्रबंध निदेशक, कर्नाटक पाठ्य पुस्तक संघ, बेंगलूरु.

श्रीमती. नागामणी,उपनिदेशक, कर्नाटक पाठ्य पुस्तक संघ, बेंगलूरु.

सहायता एवं मार्गदर्शन :

श्रीमती जयालक्ष्मी सी.डी, सहायक निदेशक, कर्नाटक पाठ्य पुस्तक संघ, बेंगलूरु.

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	विधा	पृ.सं
1.	प्रार्थना	पद्य	1
2.	पुण्यकोटि	लोककथा	4
3.	मेरा देश, मेरी माँ	कहानी	10
4.	पढ़ना है जी पढ़ना है	कविता (कंठस्थ)	17
5.	हारिए न हिम्मत	कहानी	20
6.	बंदर बाँट	कविता	27
7.	समाचार पत्र की आत्मकथा	आत्मकथा	30
8.	अभिनव गीत	कविता (कंठस्थ)	37
9.	छुट्टी पत्र	पत्र-लेखन	40
10.	सच्चाई का उपहार	एकांकी	42
11.	जीवन हम अर्पित कर जाएँ	कविता	50
12.	महादेवी वर्मा	जीवनी	53
13.	हरा घोड़ा	कहानी	57
14.	रानी लक्ष्मीबाई	ऐतिहासिक निबंध	62
15.	कबीर के दोहे	दोहा (कंठस्थ)	69
16.	वर्षा नहीं तो जीवन नहीं	निबंध	74
17.	भारतमाता	कविता	79
18.	वीरेंद्र हेग्गडे	व्यक्ति परिचय	82
19.	भारतीय त्योहार	निबंध	86